to the publishers, printers and booksellers of Orissa in the field of Social Education Literature during 1961-62, 1962-63 and 1963-64 so far; and

(b) if so, the total amount given during the above mentioned years and the details thereof?

The Minister of Education (Shri M. C. Chagla): (a) Yes, Sir, during 1962-63.

(b) Under the scheme of prize competition for books/manuscripts for neo-literates, 1500 copies of the prize-winning book 'Pragati Pathe Bharata' in Oriya were purchased and a sum of Rs. 1,200/- was paid to the author-publisher in 1962-63.

'पेकिंग रिव्यू" की प्रतियों का जब्त किया जाना

६३०. **श्री कछवाय :**
श्री घड़े :
श्री बूटा सिंह :
श्री प्रकाश वीर शास्त्री :

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय चुंगी अधिकारियों ने हिमाचल प्रदेश साम्यवादी दल के नाम चीन से भेजा गया एक बण्डल जब्त कर लिया है, जिस में चीन के "पेकिंग रिव्यू" अखबार की प्रतियां थीं ; और

(ख) यदि हां, तो क्या इस मामले में कोई जांच की गई है और उसका क्या परिणाम रहा ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हजरनवीस) : (क) जी नहीं । परन्तु हाल ही में मंत्री, भारत चीन मंत्री संगठन, शिफ्टन विल्ला शिमला—के नाम भेजे गये आठ हवाई डाक के पेकेट, जिनमें "पेकिंग रिव्यू" नामक पत्रिका की आठ प्रतियां थीं, जब्त किये ग थे ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

T. A. of Ministers

631. **Shri S. M. Banerjee:**
Shri Sivamurthi Swamy:

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that travelling allowances of the Cabinet Ministers, Ministers of States and Deputy Ministers are much more in 1963 upto 1st October, 1963 than in the whole of 1962;

(b) if so, the total amount paid to them as travelling allowances during 1962; and

(c) the amount of travelling allowances paid in 1963 upto 1st October, 1963?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hajarnavis): (a) to (c). Tour expenses of the Cabinet Ministers, Ministers of State and Deputy Ministers for the financial year 1962-63 were Rs. 8,18, 837 and those for the period 1st April 1963 to 30th September 1963 Rs. 3,42,025.

दिल्ली में कैदी

६३३. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
श्री गोकरन प्रसाद :

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्रमश: १९५९ और १९६२ में दिल्ली में कितने कैदी थे ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्रीमती चन्द्र शेखर): १९५९ और १९६२ में कैदियों की संख्या निम्न प्रकार है :—

१९५९ .	६३१३
१९६२ .	४६२०